वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380
वर्ष :5 अंक : 77 शुक्रवार 11 जुलाई 2025
दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सेवा, समर्पण और त्याग से मिलता है जीवन को उद्देश्य

समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने के लिए करें सामूहिक प्रयासः लोकसभा अध्यक्ष

गुरुपूर्णिमा पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने की बून्दी में विभिन्न आयोजनों में भागीदारी

जयपुर. कासं

गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को बून्दी जिले के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने इंद्रगढ़ स्थित मोड़ के बालाजी मंदिर और सहण पंचायत के खेड़ी गांव के खेमजी महाराज मंदिर ट्रस्ट द्वारा आयोजित समारोहों में संतों का आशीर्वाद लिया और श्रद्धालुओं को सेवा, त्याग व गुरु परंपरा के महत्व का संदेश दिया। बिरला ने कहा कि गुरुपूर्णिमा केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों का प्रतीक है।

हनुमानजी का जीवन सेवा का आदर्श

मोड़ के बालाजी मंदिर में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा एवं मारुति महायज्ञ में बिरला ने कहा कि हनुमानजी ने अपने जीवन में समर्पण, सेवा और निष्ठा के जो आदर्श स्थापित किए, वे हर व्यक्ति के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। संकट के समय वे प्रभु श्रीराम के साथ अडिग रहे, उसी तरह जीवन की कठिन परिस्थितियों में गुरु हमारे मार्गदर्शक बनते हैं। खेड़ी गांव में खेमजी महाराज मंदिर ट्रस्ट के आयोजन में बिरला ने कहा कि यह स्थान जनआस्था का केंद्र है, जहां श्रद्धालु कष्टों के निवारण की आशा लेकर आते हैं। उन्होंने सच्चिदानंद महाराज जी के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने समाज को धर्म और संस्कारों से जोड़ने का कार्य किया है। गुरु केवल शिक्षा नहीं देते, बल्कि अपने आचरण से सेवा, त्याग और जीवन जीने की राह भी दिखाते हैं।

असिंचित क्षेत्रों के लिए विशेष योजना

बिरला ने कहा कि आजादी के 75 वर्षों बाद भी खेड़ी क्षेत्र सहित कई गांव अभी भी सिंचाई, सड़क, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं से वंचित हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि असिंचित क्षेत्रों के लिए कार्य योजना तैयार कर जल्द काम शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि जो विकास कार्य पिछले 75 वर्षों में नहीं हो सके, उन्हें तीन वर्षों में सुनिश्चित किया जाएगा। बिरला ने उपस्थित श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे गुरु के दिखाए मार्ग पर चलें और समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करें। उन्होंने कहा कि सेवा, समर्पण और संस्कार ही हमारी सच्ची पूंजी हैं और इन्हीं के माध्यम से हम आत्मनिर्भर और संवेदनशील समाज की रचना कर सकते हैं। कार्यक्रमों में पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी, पूर्व मंत्री बाबूलाल वर्मा, पूर्व विधायक चंद्रकांता मेघवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान बिरला ने लाखेरी के पापड़ी गांव में भगवान देवनारायण जी तथा इंदरगढ़ माताजी के मंदिरों में दर्शन कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना भी की।

उपाध्याय वृषभा नन्द जी से गुरु पूर्णिमा पर धर्म जागृति संस्थान को मिला आशीर्वाद

आचार्य वसुनंदी के आह्वान के बैनर का हुआ विमोचन। युवाओ को संस्कारवान बनायें - नाम के साथ जैन लिखायें

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रांत राजस्थान के प्रेरणा श्रोत अभिक्षण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री 108 वसु नंदी महामुनिराज के वरिष्ठ शिष्य जयपुर के झोटवाड़ा में विराजित वाचना प्रमुख उपाध्याय श्री 108 वृषभा नंद जी महाराज ससंघ एवं आर्यिका श्री 105 प्रशान्त नंदनी माताजी ससंघ ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संस्थान की और से श्रीफल समर्पित कर प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला , कार्याध्यक्ष अनिल जैन आई पी एस, कोषाध्यक्ष पंकज जैन लुहाड़िया ,महेश जैन काला , मंत्री राजीव जैन पाटनी , सोभाग जैन अजमेरा , प्रकाश जैन गंगवाल, सिद्ध जैन सेठी , विमल जैन बाकलीवाल , परमेश जैन सहित सभी सदस्यों ने मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। समाज की ज्वलंत समस्याओ पर दिए गए आचार्य श्री के संदेश और आह्वान को उपाध्याय श्री वृषभा नंदी जी ने समाज के समक्ष रखते हुए कहा कि सभी अपने नाम के साथ जैन अवश्य लिखे तथा आगे से बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र में जैन ही लिखवाए । आज लुप्तता की और बढ़ते जैन धर्म के लिए संस्थान द्वारा विमोचन कराए जा रहे बैनर की और ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा की युवाओं को संस्कारवान बनाने ,व समय पर विवाह करने के साथ ही आज जनसंख्या बढ़ाने हेतु चार चार बच्चों को जन्म देना आवश्यक है । उन्होंने कहा कि धर्म के कालम में जैन लिखा जाए तथा इस पोस्टर का प्रचार प्रसार पूरे राजस्थान ही नहीं देश भर में किया जाए। संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला , कोषाध्यक्ष पंकज जैन लुहाड़िया आदि ने गुरुवर को वात्सल्य की मूर्ति बताते हुए कहा की गुरु हमारे भाग्य विधाता और जिनवर की राह के पथ प्रदर्शक है । इस अवसर पर झोटवाड़ा समाज के अध्यक्ष अनिल जैन काला , मंत्री नवीन जैन पांड्या संस्थान के सुरेन्द्र जैन काला ,पवन जैन पांड्या , धीरज पाटनी , महीप जैन ,नरेन जैन आदि सहित झोटवाड़ा समाज की गरिमामय उपस्थिति रही ।

सिद्ध चक्र मण्डल विधान में 1024 श्री फल अर्घ्य चढ़ाए

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में अष्टान्हिका पर्व को लेकर बपूंई वालो के चैत्यालय में सिद्ध चक्र महा मण्डल विधान की संगीतमय पूजा अर्चना की गई जिसमें पूजा में बैठे सभी पूजार्थियो ने भक्ति पूर्वक आराधना की। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला ने बताया कि पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री के मंत्रोच्चार द्वारा भगवान चंद्र प्रभु का क्षीरसागर के जल से अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य शिखर चंद चीफ जस्टिस नरेंद्र कुमार सुरेश कुमार अजीत जैन काला को मिला। अखिल भारतीय जैन धर्म प्रचारक विमल पाटनी एवं हितेश छाबड़ा ने बताया कि विधानाचार्य पंडित सुरेश कुमार शास्त्री की अगुवाई मे एवं सोधर्म इन्द्र द्वारा मण्डल पर दीप प्रज्वलित करके पांच मंगल कलश की स्थापना की गई। जौंला ने बताया कि अष्टान्हिका महापर्व के तहत सिद्ध चक्र अनुष्ठान में सिद्ध चक्र महामंडल विधान की संगीत से विशेष पूजा अर्चना की गई जिसमें मण्डल पर 1024 श्री फल चडाक र सिद्धों की आराधना के साथ भक्ति नृत्य किए गए। विधान में संगीतकार रविंद्र एंड पार्टी द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर प्रेमचंद सोगानी महावीर प्रसाद छाबड़ा विमल सोगानी सुरेश लटुरिया संजय सोगानी शकुंतला छाबड़ा संजू जौंला शशी सोगानी अनिता छाबड़ा विजया टोंग्या हितेश छाबड़ा राकेश संधी त्रिलोक जैन सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

आषाढ़ी पूनम गुरु पूर्णिमा पर युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी का संदेश: गुरु ही जीवन की दिशा तय करते हैं

आनंद अनुभूति
चातुर्मास २०२५

पनवेल. शाबाश इंडिया

आषाढ़ी पूनम और गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरुवार को जैन स्थानक में आयोजित धर्मसभा में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी ने श्रद्धालुओं को गुरु महिमा और साधना का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति कृषि और ऋषियों से सिंचित है। जैसे किसान खेत में बीज बोकर जीवन का आधार तैयार करता है, वैसे ही साधक चातुर्मास में साधना का बीज बोकर आत्मा को जागृत करता है। युवाचार्य प्रवर ने कहा अगर खेत में बीज न बोएं तो जीवन रुक जाता है और अगर धर्म और साधना का बीज न बोया जाए तो संस्कृति नष्ट हो जाती है। अज्ञानी व्यक्ति भौतिक सुखों के मोह में भव (जन्म-मरण) का बीज बोता रहता है। लेकिन जो गुरु के मार्गदर्शन में साधना करता है, वह बोधी बीज बोकर जन्म-मरण से मुक्त हो सकता है। गुरु पूर्णिमा के संदर्भ में उन्होंने कहा कि गुरु के बिना जीवन दिशा हीन होता है। पत्थर को पारस ही सोना बना सकता है, वैसे ही गुरु साधक के व्यक्तित्व को आकार देते हैं। समर्पण और विनय से ही गुरु तत्व की प्राप्ति होती है। जो व्यक्ति गुरु के प्रति अपने अहंकार को त्याग कर समर्पित होता है, वह जीवन में कभी ठोकर नहीं खाता। गुरु के आशीर्वाद से ही साधना सफल होती है और आत्मा की उन्नति होती है। युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे गुरु के प्रति श्रद्धा और समर्पण रखकर साधना के बोधी बीज बोएं और जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति पाएंगे। हितमित भाषी हितेंद्र ऋषिजी व धवल ऋषि जी ने भी धर्मसभा मे विचार व्यक्त कियें। आनन्द अनूभूति चातुर्मास समिति के शैलेन्द्र खैरोदिया व राजेंद्र बांठिया ने जानकारी देते हुए बताया धर्मसभा में पारस छाजेड़, रोशनलाल पंगारिया, सुरेश सोनी,नमीचंद छाजेड़,महेंद्र पंगारिया, श्याम काकरेचा,शोकिन पामेचा दिलीप पंगारिया,रोहित छाजेड़, संजय बोहरा मेवाड़ महिला मंडल प्रमुखा ललिता सोनी खुशी पंगारिया,कविता पामेचा आदि अतिथियों ने सभा मे मौजूद श्रध्दालुओं के साथ युवाचार्यश्री से गुरू पूर्णिमा पर आशीर्वाद ओर मांगलिक पाठ लिया। सभा का संचालन रणजीत काकरेचा ने किया ओर बताया की अनेक भाई बहनों ने धर्मसभा मे उपवास ओर तीन उपवास व आयंबिल, व्रत आदि के युवाचार्य प्रवर से प्रत्याख्यान लिए। **-प्रवक्ता सुनिल चपलोत**

गुरु ऐसा होता है जहा से मोक्ष का रास्ता खुलता है: आचार्य श्री विनिश्चय सागर महाराज

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर महाराज संघ सानिध्य में गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम मूलनायक श्री शांतिनाथ भगवान का अभिषेक एवम शांतिधारा की गई एवम जिनसहस्त्र नाम अभिषेक किया गया। इसके उपरांत प्रवचन सभागार में भक्ति उल्लास एवं आस्था के साथ गुरु पूर्णिमा पर्व आचार्य श्री संघ सानिध्य में मनाया गया जिसका कुशल निर्देशन परम पूज्य मुनि श्री 108 प्रांजल सागर महाराज ने किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति की सांस्कृतिक समिति ने विशेष मांडना बनाया एवम विशेष अष्ट द्रव्य थाल सजाए इसके साथ ही भक्ति भाव के साथ झूमते हुए गुरुदेव का पूजन किया। सर्वप्रथम मूलनायक शांतिनाथ भगवान को अर्ध समर्पित किया इसके उपरांत आचार्य श्री विराग सागर महाराज को अर्ध समर्पित किया इस अवसर भक्ति उल्लास देखते बना पूजन से पूर्व प्रीति दीदी ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। जब पूजन हो रहा था सभी आस्था उल्लास उमंग से परिपूर्ण थे।इसी क्रम में छोटी छोटी बालिकाओं ने गुरु गुणानुवाद करते हुए नृत्य की प्रस्तुति देते हुए मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। आचार्य श्री के चरणों के पद प्रक्षालन का सौभाग्य अजीत कुमार राजेश कुमार सेठी परिवार को प्राप्त हुआ एवम शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य चातुर्मास व्यवस्था समिति की सांस्कृतिक समिति की और से पूजा सिंघल, खुशी विनायका, रेखा शाह, विभा रावका, मेघा चेलावत, साधना पहाड़िया, सोनिया बागडीया, विजया सांवला आदि को प्राप्त हुआ। धर्म सभा में सर्वप्रथम मुनि श्री 108 प्रांजल सागर महाराज ने कहा कि मेरे लिए आज विशेष दिन है आज का दिन भावांजली का होता है गुरु के विषय में कहा की गुरु ज्ञान ध्यान से परिपूर्ण होते हैं सबको एक गुरु बनाना चाहिए गुरु नहीं तो जीवन शुरू नहीं। इस अवसर पर आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर महाराज ने कहा कि गुरु के द्वारा ही मोक्ष का रास्ता खुलता है। सम्पूर्ण विश्व में दिगम्बर गुरु ऐसा होता है जो मोक्ष मार्ग देने में समर्थ होता है। महाराज श्री ने कहा कि जैन दर्शन अकड़ने की नहीं झुक कर चलना सिखाता है। मोक्ष का रास्ता छोटा होता है इसीलिए हमें झुकना तो पड़े। जीवन में गुरु जरूरी है बुद्धि दिमाग गुरु के बिना नहीं चलता सही दिशा में चलाने का काम गुरु का होता है। उन्होंने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि पहली बार गुरुवर से मिला तो स्वाध्याय करना स्वीकार किया बैठ गया लेकिन समझ में नहीं आता था गुरुदेव ने मुझसे कहा की समझने की कोशिश करना और कहा कि यह तुम्हारे हित में है अपने आप को समझोगे तो स्वाध्याय समझ आ जाएगा मार्ग तुम्हें मंजिल देगा। उन्होंने रामगंजमंडी के लोगों को कहा रामगंजमंडी वालों हमारी मानसिकता गुरु के साथ जुड़ी रहनी चाहिए। असफलता से कभी घबराना मत असफलता पुरुषार्थ देकर जाती है काम करने की सीख देकर जाती है लगन देकर जाती है। निस्वार्थ भाव से गुरु से जुड़ना तो समझ आएगा गुरु होते क्या है दिगंबर मुनि से बड़ा कोई पद नहीं। गुरु की महिमा होती है उपकार होता है गुरु के दिमाग में होता है की शिष्य भटक नहीं जाए मार्ग से च्युत न हो जाए। गुरु वही होता है जो निस्वार्थ होता है निष्कलंक होता हैं। प्रवचन सभा में श्री आदिनाथ जैन श्वेतांबर श्री संघ अध्यक्ष राजकुमार पारख ने आकर आचार्य श्री का आशीर्वाद लिया उन्होंने कहा श्वेतांबर मूर्तिपूजक समाज से ज्यादा कही गुना ज्यादा संतो के प्रति सच्ची निष्ठा रखने वाला दिगंबर जैन समाज है मुझे कोई ग्लानि नहीं है उन्होंने गुरु के प्रति शिष्य के समर्पण को बताते हुए एकलव्य और अर्जुन का उदाहरण दिया।

अभिषेक जैन लुहाड़िया
रामगंजमंडी की रिपोर्ट

गुरु की महिमा वर्णी ना जाए....गुरु नाम जपो मन वचन काय...!!

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अनेक श्रद्धालुओं ने गुरु से लिया आशीर्वाद

टोंक. शाबाश इंडिया

20वीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज की अक्षुण्ण परंपरा के पट्टम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया । चातुर्मास समिती प्रवक्ता पवन कंटान एवं विकास जागीरदार के अनुसार धर्म उपदेश के पूर्व आदिनाथ भगवान एवं आचार्य शांति सागर जी सहित सभी आचार्यों के चित्रों के सम्मुख दीप प्रवज्जलन पूर्व सासंद टोंक सवाई माधोपुर सुखबीर सिंह जौनपुरिया, टोंक जिला प्रमुख सरोज नरेश बंसल, पूर्व चेयरमैन नगरपरिषद लक्ष्मी देवी, बीना जैन छामुनिया, निवाई चेयरमैन दिलीप इसरानी, निवाई विधायक रामसहाय वर्मा, विष्णु शर्मा, प्रभु बाडोलिया, विनायक जैन, सुमित जैन जयपुर, अमित छामुनिया द्वारा किया गया। तत्पश्चात आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कैलाश चंद, सुरेशचंद, नंदलाल, भागचंद, संजय कुमार, पारस कुमार, उमेश कुमार संघी परिवार द्वारा किया गया एवं जिनवाणी भेंट अंकित जैन जोबनेर परिवार द्वारा किया गया।इसके पश्चात पूवार्चार्यों को अर्घ्य समर्पण किया गया तथा आचार्य श्री की बड़े भक्ति भाव से भक्ति नृत्य करते हुए पूजन जैन वूमेंस ग्रुप, बहुरानी महिला मंडल , आदिनाथ महिला मंडल, जिनवाणी महिला मंडल, आचार्य धमासागर पाठशाला, चंद्रप्रभु महिला मंडल काफला बाजार,पारसनाथ महिला मंडल आदर्श नगर, हाउसिंग बोर्ड महिला मंडल, पटेल सर्कल महिला मंडल, पांच मंदिर पुरानी टोंक महिला मंडलों ने बारी बारी से अष्ट द्रव्य जल चंदन अक्षत पुष्प नैवेद्य दीप धूप फल और अर्घ्य समर्पित कर पूजन किया। इसके पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुपूर्णिमा के साथ हुआ। आचार्य श्री ने अपने पूर्व आचार्यों का स्मरण करते हुए उनकी महिमा पर प्रकाश डाला। शिष्य में कृतज्ञता, विनय, नम्रता तथा पाप से डरने का गुण होना चाहिए। भगवान श्री महावीर स्वामी की देशना केवल ज्ञान प्राप्त होने के बाद भी अनेक दिनों तक मुखरित नहीं हुई तब सोधर्म इन्द्र के माध्यम से इंद्रभूति गोतम को भगवान का समवशरण में मानस्तंभ देखकर उनका मान ओर मिथ्यात्व दूर हुआ और उन्होंने अंतिम शासन नायक श्री महावीर स्वामी से दीक्षा ग्रहण की दीक्षा लेते ही श्री गौतम स्वामी को मनपर्ययज्ञान तथा 64 में से 63 रिद्धि प्राप्त हुई और 66 दिन बाद प्रथम गणधर श्री गौतम स्वामी ने भगवान की दिव्य देशना को ग्रहण कर शास्त्रों में लिपिबद्ध किया। यह मंगल देशना आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित धर्म सभा में प्रगट की गुरुभक्त राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने बताया कि श्री गौतम स्वामी ने चार प्रथमानुयोग, करुणानुयोग,द्रव्यानुयोग,ओर चरणानुयोग की रचना की।आचार्य श्री ने बताया कि गुरु ज्ञान देते हैं इसलिए उपकार कारण गुरुपूर्णिमा मनाई जाती हैं गुरुभक्त राजेश पंचोलिया इंदौर के अनुसार आचार्य श्री ने गुरु ओर शिष्य के बारे बताया कि शिष्य ने कृतज्ञता, नम्रता विनय शिष्टाचार सहित अनेक गुण होना चाहिए शिष्य को सद आचारणवान और पाप से भीरू होना चाहिए क्योंकि पाप संसार रूपी समुद्र में डूबा देता हैं इसलिए 6 द्रव्य,सात तत्वों धर्म का सहारा लेकर पुण्य का उपार्जन करना चाहिए। सभी को व्यसन और फैशन से बचना चाहिए। इस अवसर पर भिंडर, किशनगढ़ पारसोला , इंदौर, सनावद, जयपुर ,बंगलौर, बोली, निवाई, ओर निकट के अनेक नगरों से गुरुभक्त उपस्थित हुए प्रातः आचार्य श्री के दर्शन भक्ति की समस्त संघ ने आचार्य भक्ति पूर्वक वंदना की। 11 जुलाई शुक्रवार को प्रातः काल 8:00 बजे श्री दिगंबर जैन नसिया में वीर शासन जयंती मनाई जाएगी जिसके अंतर्गत जैन नसिया परिसर में प्रभात फेरी निकाली जाएगी उसके पश्चात आचार्य श्री के सानिध्य में भगवान महावीर स्वामी की पूजा अर्चना की जाएगी तत्पश्चात आचार्य श्री के मंगल प्रवचन होंगे।

वेद ज्ञान

संतुलित भोजन अच्छे स्वास्थ्य की पहली आवश्यकता

स्वस्थ रहने का प्रसन्न रहने से सीधा-सीधा संबंध है जो केवल उपयुक्त खाने-पीने तक से संभव नहीं है। यद्यपि पर्याप्त और संतुलित भोजन अच्छे स्वास्थ्य की पहली आवश्यकता है फिर भी कुछ बातें ऐसी भी हैं जो भोजन से परे हैं। यह सवाल इसलिए और भी जरूरी हो जाता है जब इन दिनों शारीरिक के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य की चिंता बच्चों तक में दृष्टिगत होने लगी है। समुचित मात्रा में खाद्य पदार्थ जीव को शारीरिक तंदरुस्ती के लिए आवश्यक तत्व प्रदान करते हैं, लेकिन अच्छे स्वास्थ्य के लिए कुछ तत्व ऐसे भी हैं जो खुश रहने से ही मिलते हैं और जिनके बारे मे मानव सभ्यता के विकास के दौरान चिंतनशील लोगों ने समय-समय पर चेताया है। जब हम किसी बीमारी के कारण कष्ट में होते हैं तो इस कष्ट की शरीर पर दोहरी मार पड़ती है। एक तो शरीर जैविक तौर पर बीमारी से जूझता है और दूसरे बीमारी से उत्पन्न होने वाले मानसिक दुख का भी शरीर पर काफी प्रतिकूल असर पड़ता है। बीमारी के जैविक पहलू को तो डॉक्टरों और दवाओं से संभाला जा सकता है, लेकिन बीमारी से उत्पन्न कष्ट के कारण हो रही हानि को न तो डॉक्टर और न ही दवाएं ठीक कर सकती है और इसीलिए हम अक्सर डॉक्टरों से यह सलाह सुनते हैं कि हौसला रखिए, बीमारी को भूले रहिए आदि-आदि। इसके पीछे विचार यही है कि मानसिक कष्ट की दवा डॉक्टर के पास भी नहीं होती है और यदि वह कहीं है तो वह हमारे पास ही है जिसे समझने भर की जरूरत है। जो व्यक्ति इसे समझ लेता है उसका हौसला बड़ी से बड़ी बीमारी भी नहीं डिगा सकती। कभी-कभी होता है कि कोई व्यक्ति किसी बीमारी से पीड़ित होता है, लेकिन जब तक उसे उस बीमारी का ज्ञान नहीं होता है तब तक उसका शरीर उससे अंदरूनी तौर पर जूझ रहा होता है और उस पर उस बीमारी का कोई प्रतिकूल असर भी नहीं होता है, लेकिन जैसे ही उसे उस बीमारी का पता लगता है वह अच्छी डॉक्टरी देखभाल के बावजूद लड़खड़ा जाता है।

संपादकीय

बिगड़ रहा मौसम का हाल...

आज दुनिया में मौसम जिस तरह से चकमा दे रहा है और पारिस्थितिकी तंत्र जैसे रूप बदल रहा है, उसे किस तरह से लिया जाए? एक तरफ तो ये वर्ष दुनिया के लिए गर्म रहा, वहीं अपने देश में सब कुछ सामान्य दिखाई दिया। इतना ही नहीं, मौसम के पैटर्न ने पारिस्थितिकी समझ को भी चकरा दिया। इस वर्ष कुछ देशों में गर्मी ने फिर वही हालात बनाए रखे, जैसे कि गत वर्षों में थे और अन्य जगह सब कुछ सामान्य से नीचे स्तर का था। इसके पीछे कई कारण रहे हैं, विशेषकर उत्तरी गोलार्ध में पश्चिम-मध्य एशिया, पूर्वोत्तर रूस और पश्चिमी अंटार्कटिका में अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई, जबकि हडसन खाड़ी से लेकर उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और पूर्वी अंटार्कटिका तक अपेक्षाकृत ठंडक बनी रही। भारत भी इन असमान व्यवहार वाले क्षेत्रों में शामिल रहा। इस तरह का मौसम-व्यवहार कई बातों की ओर इशारा करता है। अब हमारे पास देश से जुड़ी भी कई असामान्य खबरें हैं। भारत के कई हिस्सों में मई के दौरान सामान्य से 20-40 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई और तापमान 4 से 6 डिग्री तक गिर गया। वे शहर जो आमतौर पर अधिक तापमान के लिए जाने जाते हैं- जैसे दिल्ली, लखनऊ, पटना वहां इस बार की गर्मियों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। दुनिया में महत्वपूर्ण खबर यह रही कि ग्रीनलैंड और आइसलैंड में बर्फ पिघलने की घटनाएं सामने आई। वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन समूह के वैज्ञानिकों ने बताया कि वहां तापमान 3 डिग्री तक बढ़ गया, जिससे भारी मात्रा में बर्फ पिघली। इसका कारण मानवीय गतिविधियां तो हैं ही, यह भी देखा गया कि कई अन्य क्षेत्रों में तापमान गत वर्षों की प्रवृत्ति जैसा ही रहा। मई का महीना दुनिया भर में अब तक का सबसे गर्म महीना पाया गया। क्लाइमेट चेंज सर्विस की रिपोर्ट में बताया गया कि मई में वैश्विक सतह तापमान 1850 1900 के औद्योगिक युग की तुलना में 1.4 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। परंतु, भारत, अलास्का, दक्षिण अफ्रीका और पूर्वी एशिया जैसे क्षेत्रों में मई का तापमान सामान्य से नीचे रहा था। इस तरह का विरोधाभासी मौसम व्यवहार यह स्पष्ट करता है कि क्लाइमेट के सिस्टम में बड़ी गड़बड़ हो चुकी है। 2025 में सतह का औसत तापमान 15.79 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 1991-2020 की तुलना में 0.5 डिग्री अधिक था। यह 2020 2024 की सबसे गर्म मई से केवल 0.12 डिग्री कम था। इससे स्पष्ट है कि वैश्विक तापमान में मामूली गिरावट तो है, परंतु मौसम का असामान्य व्यवहार बना हुआ है। यह वृद्धि मुख्यतः जीवाश्म ईंधनों के जलने से हुए उत्सर्जन का परिणाम है। रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले 22 में से 21 महीने ऐसे रहे हैं, जिनमें वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। इससे पहले मार्च, अप्रैल और फरवरी भी इतिहास के सबसे गर्म महीनों में शामिल रहे। भारत में फरवरी 2025, पिछले 125 वर्षों में सबसे गर्म रहा। परंतु मई और जून के महीने ला नीना प्रभाव के कारण अपेक्षाकृत शीतल रहे। इस दौरान भारत और दुनिया भर में जनवरी का महीना सबसे गर्म साबित हुआ। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नापाक मंसूबे

आतंकवादी पिछले कुछ वर्षों से अपनी नापाक साजिशों को अंजाम देने के लिए पारंपरिक तरीके के बजाय आधुनिक तकनीक का सहारा लेने लगे हैं। खासकर इंटरनेट के जरिए विभिन्न तरह की मदद हासिल करना उनके लिए आसान और सुलभ तरीका बन गया है। वैश्विक आतंकवाद वित्तपोषण निगरानी संस्था एफएटीएफ ने भी चौकाने वाला खुलासा किया है कि आतंकी धन जुटाने और हिंसक वारदातों के लिए आनलाइन सेवाओं का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग कर रहे हैं। फरवरी 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में इस्तेमाल विस्फोटक पदार्थ का एक हिस्सा आनलाइन कारोबारी मंच से खरीदा गया था। यही नहीं, आतंकी बम बनाने की विधि भी इंटरनेट से सीख रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। हाल के वर्षों में हुए कई आतंकी हमलों की जांच में इसके प्रमाण मिले हैं। इससे साफ है कि आनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग किस कदर खतरनाक रूप ले चुका है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी अपने हिंसक अभियानों के लिए उपकरण, हथियार, रसायन और यहां तक की थ्री डी प्रिंटिंग सामग्री की खरीदारी भी आनलाइन सेवाओं के जरिए कर रहे हैं। वह बात सही है कि आनलाइन खरीदारी की व्यवस्था से लोगों को काफी सहूलियत हुई है, लेकिन इस सुविधा का उपयोग खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिए न हो, इस पर कड़ी नजर रखना जरूरी है निगरानी तंत्र के अभाव में आतंकवादियों और उनके सहयोगियों द्वारा आनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल हिंसक अभियानों के वित्तपोषण के लिए करने की संभावनाओं से भी अब इनकार नहीं किया जा सकता है इंटरनेट पर विस्फोटक पदार्थ तैयार करने की तकनीक से जुड़ी सामग्री का होना भी चिंता का विषय है। सरकार और संबंधित प्राधिकारियों को इस दिशा में ठोस कदम उठाना होगा। साथ ही आनलाइन सेवा प्रदाता मंचों की भी यह जिम्मेदारी है कि वे इस तरह की सामग्री की नियमित निगरानी करें, ताकि इसके दुरुपयोग पर रोक सुनिश्चित हो सके। एफएटीएफ का यह खुलासा भी अहम है कि आतंकवादी संगठनों को कुछ देशों की सरकारों से वित्तीय और अन्य मदद मिल रही है, जिनमें साजो-सामान और सामग्री संबंधी सहायता एवं प्रशिक्षण भी शामिल है। भारत समेत कई देश आतंकवाद के खात्मे के लिए एकजुट प्रयासों पर बल दे रहे हैं, लेकिन कुछ चुनिंदा देशों द्वारा आतंकियों के वित्तपोषण से इस पर पलीता लग रहा है। इससे पहले जून में वैश्विक निगरानी संस्था ने अपनी रपट में कहा था कि पहलगाम आतंकी हमला किसी वित्तीय मदद के बिना संभव नहीं था। इससे आतंकवाद का समर्थन करने की पाकिस्तान की नापाक नीति फिर से जगजाहिर हो गई है। यह बात छिपी नहीं है कि पाकिस्तान आतंकियों का पालन-पोषण कर उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल करता है। हालांकि, पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को आतंकवाद पीड़ित देश बता कर इससे इनकार करता रहा है, लेकिन भारत ने कई बार सबूतों के साथ वैश्विक समुदाय के समक्ष यह बात साबित की है कि सीमा पार से होने वाले आतंकी हमलों की साजिश पाकिस्तान में रची जाती है। इसी आधार पर भारत ने पाकिस्तान को फिर से एफएटीएफ की 'ग्रे' सूची में शामिल करने की वकालत की है।

आज विश्व शांति महायज्ञ, निकलेगी जिनेंद्र प्रभु की रथयात्रा

सिद्धचक्र विधान समापन पर होंगे विभिन्न आयोजन

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। आठ दिवसीय श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान समापन के अवसर पर विश्व शांति महायज्ञ एवं भव्य रथ यात्रा का आयोजन होगा। विधान के मुख्य संयोजक अनूप जैन भंडारी ने बताया कि श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती बड़ा मंदिर मुरैना में परम पूज्य मुनिराज बिलोकसागरजी महाराज एवं मुनिश्री विबोधसागरजी महाराज की प्रेरणा एवं पावन सानिध्य में विधानाचार्य बाल ब्रह्मचारी संजय भैयाजी (मुरैना वाले), संघस्थ ब्रह्मचारी संजय भैयाजी (बम्होरी) के आचार्यत्व एवं ब्रह्मचारी अजय भैयाजी (झापन तमूरा वाले) के निर्देशन में 03 जुलाई से 10 जुलाई तक विभिन्न आयोजनों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित विधान हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुआ। भजन गायक एवं संगीतकार हर्ष जैन एंड पार्टी भोपाल ने अपनी मधुर स्वर लहरी से सभी को आनंदित किया। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पूज्य मुनिराज विलोक सागर महाराज ने गुरुओं की महिमा का गुणगान करते हुए सभी को शुभाशीष प्रदान किया। इस अवसर पर संत शिरोमणि समाधिस्थ आचार्यश्री विद्यासागरजी, मासोपवासी समाधिस्थ आचार्यश्री सुमति सागरजी, सराकोद्धारक समाधिस्थ आचार्यश्री ज्ञानसागरजी, आचार्यश्री आर्जवसागरजी, आचार्यश्री समयसागरजी, मुनिश्री बिलोकसागरजी, मुनिश्री विबोधसागरजी सहित अन्य मुनिराजों का अष्टद्रव्य से पूजन किया गया। मंचासीन युगल मुनिराजों का पाद प्रक्षालन कर, उन्हें शास्त्रादि भेंट किए गए।

आज होगा विश्व शांति एवं कल्याण हेतु महायज्ञ

श्री सिद्धचक्र विधान के मुख्य संयोजक अनूप जैन भंडारी ने बताया कि आज विधान के समापन पर विश्व शांति एवं कल्याण की पावन भावना के साथ महायज्ञ किया जाएगा। जिसमें विधान में सम्मिलित होने वाले सभी साधर्मी बंधु, माता बहनों के द्वारा आहुति दी जाएगी।

श्री 1008 जिनेंद्र प्रभु रथ में सवार होकर करेंगे नगर भ्रमण

श्री जिनेंद्र प्रभु को रथ में विराजमान कर बैंड बाजे, ढोल नगाड़ों के साथ नगर भ्रमण कराया जाएगा। बड़े जैन मंदिर से रथ यात्रा प्रारंभ होकर गोपीनाथ की पुलिया, पीपल वाली माता, रुई की मंडी, सदर बाजार, हनुमान चौराहा, सराफा बाजार, लोहिया बाजार होती हुई बड़ा जैन मंदिर पहुंचेगी। जैन मंदिर में श्री जिनेंद्र प्रभु को चांदी की पाण्डुक शिला पर विराजमान किया जाकर चांदी के मुकुट हारों एवं बाजूबंदो से सुसज्जित विशेष परिधान में इंद्रों द्वारा स्वर्ण कलशों से जलाभिषेक किया जाएगा। विशाल एवं भव्य रथयात्रा चल समारोह में सुसज्जित घोड़ा बग्गियों में सौधर्म इंद्र इंद्राणी, कुबेर इंद्र इंद्राणी, महासती मैनासुंदरी श्रीपाल, महायज्ञ नायक सहित अन्य पात्र विराजमान रहेंगे। रथ यात्रा में आगे आगे पूज्य युगल मुनिराजश्री विलोकसागर एवं मुनिश्री विबोधसागर महाराज चलेंगे। शोभायात्रा में विभिन्न स्थानों पर श्री जी एवं पूज्य मुनिराजों की आरती उतारकर भव्य अगवानी की जाएगी।

आर्यिका सुरम्य मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में पावन चातुर्मास 2025 में होंगे अनेक धार्मिक कार्यक्रम

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे में विराजमान आचार्य 108 श्री सुंदर सागर जी महाराज की सुयोग्य शिष्या 105 श्री सुरम्यमति माताजी के पावन सानिध्य में पार्श्वनाथ चैताल्य में अभिषेक शांति धारा बाद जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि भरी धर्मसभा गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर अपने मंगलमय प्रवचनों में आर्यिका श्री ने बताया व्यक्ति के जीवन में गुरु का होना अत्यंत आवश्यक है गुरु हमें सही मार्गदर्शन देते हैं अपने दुखों से निकलने का सामर्थ्य प्रदान करते हैं उचित राह दिखाते हैं जिसका कोई गुरु नहीं होता वह दुखों को सहन करने में असमर्थ हो जाता है माताजी ने अपने आराध्य गुरु जी की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि राम जैसा कोई आज्ञाकारी नहीं लक्ष्मण जैसा कोई भाई नहीं समयसार जैसा कोई ग्रंथ नहीं भारत जैसा कोई देश नहीं हिंदी जैसी कोई भाषा नहीं हंस जैसा कोई पक्षी नहीं जैन जैसा कोई धर्म नहीं और आचार्य गुरुवर सुंदर सागर जी गुरुदेव जैसा कोई गुरु नहीं ,कार्यक्रम मितेश लदाना ने बताया कि उक्त आयोजन हेतु ध्वजारोहण की बोली लगाई गई जिसमें यह परम सौभाग्य मोहनलाल , कमलेश कुमार, महेश कुमार,आशु झंडा परिवार को प्राप्त हुआ।

गुरू कृपा से प्रभु मिले परम पूज्य निपुणरत्न विजय म .सा

गुरूर तोडे वोही गुरू
गुरू से होता है जीवन शुरू
गुरू से बढ़कर कोई नहीं

मुंबई. शाबाश इंडिया। महाराष्ट्र की मायानगरी मुम्बई की पुण्य नगरी के खेतीवाड़ी में चातुर्मास विराजित सौधर्म बृहत तपोगच्छिय त्रिस्तुतिक संघ के राष्ट्रसंत शासन प्रभावक,पुण्य सम्राट जयंतसेन सूरीश्वर महाराजा के समुदाय वर्ती वर्तमान गच्छाधिपति हृदयसम्राट नित्यसेन सूरिश्वरजी महाराजा साहेब व मुनि मण्डल साध्वीजी भगवंत के शुभ निश्रा में गुरू पूर्णिमा पर्व मनाया गया मीडिया प्रभारी दिनेश सालेचा मदुराई ने बताया कि आयोजित कार्यक्रम में गुरुभक्त राजस्थान गुजरात मध्यप्रदेश दक्षिण भारत से पधारें।संगीतकार द्वारा गुरू भक्ति की रमझट के साथ सभी को गुरू भक्ति में जोड़कर रखा और परम पूज्य प्रवर श्री विद्वदरत्न विजय जी म.सा ने प्रवचन में बताया की गुरू ही परमात्मा तक लें जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परम पूज्य निपुणरत्न विजय म.सा ने बताया कि व्यक्ति के जिवन मे गुरू नहीं उसका जिवन शुरू नहीं हो सकता, व्यक्ति के जीवन में सबसे बड़ा धर्म व पुण्य में जुड़ने के लिए गुरू की अति आवश्यकता होती है। आज ऐतिहासिक गुरू पूर्णिमा पर गुरू पुजन का लाभ -धराद निवासी बबीबेन राजमल भाई वोरा परिवार हरेश भाई लाडु परिवार ने लिया। सभी गुरू भक्तों ने गच्छाधिपति को अक्षत से बधाया। जय जय गुरुदेव के जयकारों से पुरा पण्डाल गुंज उठा। इस समय सकल जैन संघ की उपस्थिति रही।

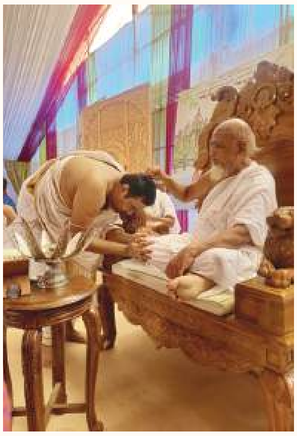

सामाजिक कार्य के अंतर्गत गोशाला में सेवा कार्य किया

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ
गुरु के साथ सेवा

जयपुर. शाबाश इंडिया

सामाजिक कार्यो की श्रृंखला मे जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा ग्रुप सदस्य यशवंत स्नेहलता जैन के सौजन्य से उनकी शादी की वर्षगांठ के उपलक्ष मे दिनांक 9 जूलाई (बुधवार) को गौसेवार्थ सद्गुरु टेऊराम गोशाला वंदे मातरम रोड के पास गणतपुरा वर्धमान सरोवर मे गायो को चारा खिलाया गया।कार्यक्रम में पदम कुमार प्रीति सोगानी, मुनिया सोगानी प्रिंस सोगानी एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पद्मावती पब्लिक स्कूल में गुरु पूर्णिमा समारोह मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिनांक 10 जुलाई 2025 को पद्मावती पब्लिक स्कूल में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। यह दिन गुरुओं के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और समर्पण को व्यक्त करने का पावन अवसर होता है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों ने विद्यार्थियों को गुरु के महत्व के विषय में बताया। उन्होंने समझाया कि गुरु स्वयं निरंतर अध्ययन करके ही अपने शिष्यों को ज्ञान का प्रकाश प्रदान करते हैं। वे न केवल पुस्तकीय ज्ञान देते हैं, बल्कि जीवन जीने की कला, संस्कार और समाज में आगे बढ़ने की राह भी दिखाते हैं। विद्यार्थियों ने भी अपने-अपने गुरुओं और प्राचार्य महोदया श्रीमती हेमलता जैन के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त करते हुए उन्हें कार्ड, पुष्पगुच्छ (बुके) और अपने स्नेह से भरे शब्दों के साथ सम्मानित किया ओर आशीर्वाद लिया। पूरे कार्यक्रम में एक भावनात्मक और प्रेरणादायक वातावरण बना रहा। इस विशेष दिन ने सभी को यह स्मरण कराया कि गुरु ही वह दीपक हैं जो अज्ञान के अंधकार में ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं।

गुरु पूर्णिमा पर अर्हत पब्लिक स्कूल अरथूना के बच्चों ने लिया गुरु सेवा का संकल्प

अरथूना. शाबाश इंडिया

अर्हत पब्लिक स्कूल अरथूना में गुरु पूर्णिमा पर बच्चो ने गुरु सेवा का संकल्प लिया। आयोजन के मुख्य अतिथि महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया थे, अध्यक्षता प्रीतेश शाह ने की। प्रारंभ में बच्चो ने गुरु वंदना की। इस अवसर पर अजीत कोठिया ने जीवन में गुरु का महत्व बताते हुए बच्चों से हमेशा गुरुजनों का सम्मान करने को कहा। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रीतेश जैन ने बच्चों से स्कूल आने से पूर्व अपने प्रथम गुरु माता पिता तथा स्कूल में आते ओर लौटते समय शिक्षा गुरुओं के चरण स्पर्श को बहुत पुण्यकारी बताया। आयोजन मे सभी बच्चों को विद्यालय प्रबंधन ने पुरस्कार दिये।कार्यक्रम को कचरनाथ रावल, सुनील खाट, रवीना जैन, सयानी गर्ग, जाहीन खान, तसनीम खान तथा आयुषी राठौड़ ने सम्बोधित किया।संचालन कचरनाथ रावल ने किया, आभार प्रीतेश जैन ने व्यक्त किया।

SAKHI GULABI NAGARI
WISHES YOU
10 July' 25
SUNITA-SUDHEER KASLIWAL
HAPPY Anniversary TO YOU
SUSHMA JAIN (President)
SARIKA JAIN (Founder President)
MAMTA SETHI (Secretary)
DIVYA JAIN (Greeting Coordinator)

आदिनाथ पब्लिक स्कूल में गुरु पूर्णिमा पर्व का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिनांक 10 जुलाई 2025 को सांगानेर स्थित आदिनाथ पब्लिक स्कूल में गुरु पूर्णिमा पर्व का विशेष आयोजन किया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना से किया गया ।तत्पश्चात छात्र - छात्राओं द्वारा विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ पवना शर्मा सहित समस्त गुरुजनों का तिलक लगाकर तथा मौली का पवित्र धागा बांधकर सम्मान किया गया ।इसके बाद विद्यार्थियों ने अपने भाषण , कविता , दोहों एवं श्लोकों के माध्यम से अपने गुरुजनों के प्रति अपनी भावांजलि प्रस्तुत की तथा अपनी कृतज्ञता ज्ञापित की।इसके पश्चात शिक्षकों द्वारा गुरु पूर्णिमा पर्व के महत्व एवं गुरु - शिष्य संस्कृति पर प्रकाश डाला गया ।इस अवसर पर प्रिंसिपल डॉ पवना शर्मा ने विद्यार्थियों को गुरु पूर्णिमा मनाए जाने कारण व इसके महत्व से अवगत कराया तथा सभी बच्चों को शुभाशीष दिया । अंत में सभी बच्चों ने अपने गुरुजनों की चरण - वंदना कर उनका आशीर्वाद लिया । कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका श्रीमती हेमा त्रिपाठी ने किया।

जिसका कोई गुरु नहीं उसका जीवन शुरू नहीं

डॉ दर्शना जैन, जयपुर

बालक संसार में जब आता है, तो उसका प्रथम गुरु उसकी माता होती है, दूसरा गुरु शिक्षक होता है अंतिम्‍ गुरु समय होता है हितमणिमाला नामक ग्रंथ में गुरु के विषय में कहा है।

कः प्रथमो गुरुः माता,द्वितीयो दिगम्बरो महाश्रमणः ।
तृतीयोऽभ्यासो गुरुः, चरमः समयो गुरु ज्ञेयः ।।

अर्थात संसार में प्रथम गुरु माता है, दूसरा गुरु दिगम्बर सन्त महाश्रमण है, तीसरा गुरु शिक्षा का अभ्यास कराने वाले है तथा अन्तिम गुरु समय को कहा हैं। उपर्युक्त श्लोक के अनुसार गुरु चार प्रकार के बतायें हैं।माता प्रथम गुरु के रूप में सभी स्वीकार करते है।उसके पश्चात सांसारिक जीवन से मोह का त्याग कर मोक्ष पद की ओर अग्रेसित होता है, तो उसका वह दूसरा जीवन होता है इस जीवन का प्रथम्‍ गुरु उसके दीक्षा प्रदाता गुरु होते है। इस जीवन को द्विजन्मा कहते है। इसलिए दिगम्बर जैन परम्परा में दीक्षा प्रदाता को दूसरा गुरु कहा है।दीक्षा के पश्चात शिक्षा की व्यवस्था होती है, तीसरे गुरु को उपाध्याय गुरु कहा है। शिक्षण के पश्चात जब शिष्य परिपक्व हो जाता है तो समय के अनुसार अनुभवों को ग्रहण करता है, वह अनुभव और आने वाले समय में उसके लिये प्रतिसमय शिक्षा प्राप्त होती है।गुरु शिष्य का संबंध रेलगाड़ी की दो पटरी के समान है। एक के बिना दूसरे का कोई महत्व नहीं रहता है।गुरु शिष्य को जितना तपाता है और योग्य बनाता है वह शिष्य से उतना ही सम्मान प्राप्त करता है। गुरु शिष्य के मध्य में आदर और सत्कार, प्रेम दोनों के मध्य में समर्पण पर आधारित है।गुरु जितना समर्पित होकर शिक्षा देता है शिष्य उतना समर्पित होकर गुरु का मान रखता है।आज की आधुनिकता की दौड़ में शिक्षा गुरु चाहते है कि शिष्य हमारा बहुमान करें किंतु गुरु उस योग्य शिष्य को तैयार नहीं करते, उनके लिए परिश्रम नहीं करते उनकी आवश्यकता पर खरें नहीं उतरते, ऐसे में गुरु को सम्मान की प्राप्ति कैसे संभव है।इसके विपरीत शिष्य का समर्पण भाव गुरु के प्रति नहीं रहता इस कारण भी गुरु शिष्य को अपना पूरा ज्ञान नहीं दे पाता और शिष्य अधूरा ही शिष्यत्व प्राप्त कर आगे बढ़ता है।ऐसे में उसके लिए समय ही अंतिम गुरु है।जैन मतानुसार गुरु पूर्णिमा के दिन गौतम गणधर को भगवान महावीर स्वामी के रूप में गुरु की प्राप्ति हुई थी, भगवान महावीर स्वामी के दर्शन मात्र से गौतम गणधर के मिथ्यात्व का नाश हुआ और तत्क्षण चार ज्ञानों की प्राप्ति हुई , इसी दिन से गुरु पूर्णिमा पर्व प्रारंभ होता है, इसके दूसरे दिन से भगवान महावीर स्वामी ने प्रथम उपदेश दिया। इस दिन को वीर शासन जयंती पर्व कहा जाता है। सद्गुरु की प्राप्ति सौभाग्यशाली को होती है। गुरु का अनादर विष तुल्य है। अपभ्रंश कथा साहित्य में गुरु निह्नव (नाम छुपाने वाले) करने वाले गौरसंदीप मुनि का वर्ण काला हो गया उन्हें कालसंदीप नाम से कहा जाने लगा। कारण ज्ञात होने पर पश्चाताप किया और पुनः गौरवर्ण को प्राप्त हुये। इस कथा से शिक्षा मिलती है एक अक्षर का ज्ञान देने वाले गुरु है, उसे उसी रुप में नाम देना चाहिए जिस रुप में शिक्षा प्रदान की।

अतिशय क्षेत्र पीर कल्याणी नसिया जी में हुई आचार्य श्री चैत्यसागर जी महाराज ससंघ की चातुर्मास मंगल कलश स्थापना

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा में आज से चातुर्मास मंगल कलश स्थापना शुरू हो गए है। अब चातुर्मास में चार माह जप-तप और धर्म की प्रभावना बहेगी। इसी क्रम में बुधवार को आगरा दिगंबर जैन परिषद के तत्वावधान में आचार्य श्री चैत्यसागर जी महाराज ससंघ की चातुर्मास मंगल कलश स्थापना मोतीलाल नेहरू रोड के श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र पीर कल्याणी नसिया जी पर आयोजित हुई। कार्यक्रम की शुरूआत वात्सल्य आरोग्यधाम के ट्रस्टी चिंतामणि जैन राजेश काला एवं विजय पाटनी द्वारा ध्वजारोहण करके किया गया ।भक्तों ने समाधिस्थ आचार्यश्री विमल सागर जी महाराज के चित्र का अनावरण कर दीप प्रज्ज्वलन किया ।बालिकाओं ने भक्ति गीत पर नृत्य कर मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। आचार्यश्री के चरणों का प्रक्षालन भरतपुर के चांदवाड़ परिवार द्वारा किया गया। आचार्यसंघ को शास्त्र भेट हीरालाल बैनाड़ा परिवार एवं उषा मारसंस परिवार एवं वस्त्र गुणमाला पांडया परिवार द्वारा किए गए। वहीं बाहर से पधारे भक्तों ने अष्ट द्रव्यों की थाल सजाकर आचार्य श्री विमल सागर जी महाराज एवं आचार्य श्री चैत्यसागर जी महाराज का पूजन किया। कार्यक्रम के मध्य में आचार्यश्री चैत्यसागर जी महाराज ने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि चार माह तक एक ही स्थान पर साधना करते हैं संत चार महीने वर्षा व शरद ऋतु में जीव जंतुओं की उत्पत्ति भारी मात्रा में होनी शुरू हो जाती है ।वर्षा ऋतु में काफी बारिश होने की वजह से संतों के आवागमन से जीवों की हिंसा होने की आशंका बनी रहती है। यहां तक कि कच्ची सड़कों में नई-नई घास उग आती हैं ।इसी धारणा को मन में लिए चार महीने का मंगल पावन वषायोग करते हैं ।इस दौरान जयपुर,जलेसर,कोसमा आगरा की जैन समाज ने आचार्यश्री के समक्ष श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया ।इसके बाद मंदिर परिसर में मुख्य चातुर्मास मंगल कलश प्रदीप जैन पीएनसी परिवार, द्वितीय मंगल कलश निर्मल मोठया,हीरालाल बैनाड़ा, भोलानाथ सिंघई,विमल मारसंस परिवार, तृतीया मंगल कलश राजेंद्र जैन एडवोकेट एवं विजय बैनाड़ा परिवार को स्थापित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसके अलावा मुख्य अन्य मंगल कलश सौभाग्य शाली भक्तों द्वारा स्थापित किए गए। कार्यक्रम का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा किया गया ।इस अवसर पर जगदीश प्रसाद जैन,सुनील जैन ठेकेदार,राकेश जैन पर्देवाले, अनंत जैन,राजेंद्र जैन,रामेश जैन,अशोक जैन,पंकज जैन,सुनील जैन काका,सुशील जैन नसिया जी, पवन जैन, राजेश जैन लालू,अक्षय जैन,सत्येंद्र जैन, अजय जैन, विशाल जैन मीडिया प्रभारी शुभम जैन समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग एवं विभिन्न नगरों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। **-मीडिया प्रभारी शुभम जैन**

गुरु पूर्णिमा: जैन धर्म में गुरुत्व का उजास

भारतीय परंपरा में गुरु पूर्णिमा वह पवित्र अवसर है, जब श्रद्धा, ज्ञान और आत्मा के उत्थान का संगम होता है। यह दिन गुरु के प्रति आभार व्यक्त करने का नहीं, बल्कि उनके बताए पथ पर चलने का संकल्प दोहराने का भी है। जैन धर्म में तो गुरु न केवल पूज्य हैं, वरन्‌ वे मोक्षमार्ग के रचयिता, आचरण के प्रेरक और आत्मा के जागरणकर्ता हैं। जैन आगमों में स्पष्ट कहा गया है। ''णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं, णमो आयरियाणं''। इस णमोकार मंत्र में तीसरी पंक्ति 'णमो आयरियाणं' में जिन गुरुजन को वंदना की गई है, वे केवल ज्ञाता नहीं, जीवन को ज्ञानमय बनाने वाले आचरणशील मार्गदर्शक हैं। गुरु पूर्णिमा का पर्व जैन साधु-संतों के चातुर्मास के आगमन की पूर्वपीठिका भी है। इन चार महीनों में जब आचार्य, उपाध्याय और साधु स्थिर रहते हैं, तो समाज को सच्चे ज्ञान, धर्मोपदेश, तप और संयम का लाभ मिलता है। यह गुरु-शिष्य संवाद और साधना का पावन काल है। आज के युग में जब दिशा भ्रम, मूल्य क्षरण और आडंबर की आंधियाँ मनुष्य को डगमग कर रही हैं, ऐसे समय में गुरु ही हैं जो सत्य, अहिंसा और आत्मानुशासन के पथ पर हमारा मार्गदर्शन करते हैं। आचार्य विद्यानंद जी व आचार्य विद्यासागर जी जैसे जैन मुनियों का जीवन इसके साक्षात प्रमाण हैं, जिन्होंने केवल प्रवचन नहीं दिए, बल्कि जीवन से धर्म को जीकर दिखाया। गुरु पूर्णिमा आत्मा के मौलिक स्वरूप को पहचानने, मिथ्यात्व से सम्यक्त्व की ओर बढ़ने और गुरु के वचनों को जीवन में उतारने का पर्व है। यह अवसर है उस परंपरा को नमन करने का, जिसने 'श्रवण', 'मनन' और 'निधिध्यासन' से आत्मकल्याण का सेतु रचा।

गुरु वही जो आत्मा को स्वयं की ओर मोड़े,
जो माया नहीं, मोक्ष का पथ बोध कराए।
जो वचनों से नहीं, व्रतों से प्रेरणा दे,
जो स्वयं दीपक बन अज्ञान हर जाए।

इस गुरु पूर्णिमा पर यही कामना है कि हम सभी अपने-अपने जीवन में किसी ऐसे गुरु को पहचानें, जिनकी छाया में आत्मा अपनी दिव्यता को पहचान सके। **-जर्नलिस्ट डा.अखिल बंसल**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

महासमिति सर्वोदय कालोनी ईकाई के चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुए

अनामिका सुरलाया अध्यक्ष, रेणु पाटनी मंत्री

अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर महिला महासमिति व युवा संभाग के सर्वोदय कॉलोनी इकाई के चुनाव श्रीमती निशा पाटनी के नेतृत्व में निविरोध चुने गए श्रीमती मधु जैन कुहेले परामर्शक, श्रीमती अनामिका अध्यक्ष, रेणु पाटनी मंत्री , उपाध्यक्ष बीना गदिया, सह मंत्री वर्षा बडजात्या, कोषाध्यक्ष गुण माला गंगवाल, प्रचार प्रसार मंत्री नीरु सोगानी सांस्कृतिक मंत्री प्रिया पाटनी, व्यवस्थापक अनिता गंगवाल, साधना पाटनी, कार्यकारिणी सदस्यों में इंदिरा कासलीवाल ,साधना दनगसिया, सुषमा पाटनी, शशि गंगवाल, ज्योति सेठी, वीना पाटोदी, अंजु पाटनी, निशा बाकलीवाल, चिंता मणि गोधा, रेणु सौगानी आदि चुने गए। सभी सदस्यों ने भगवान के समुख निपक्षता से कार्य करने की शपथ ग्रहण की। मधु जैन ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया ।

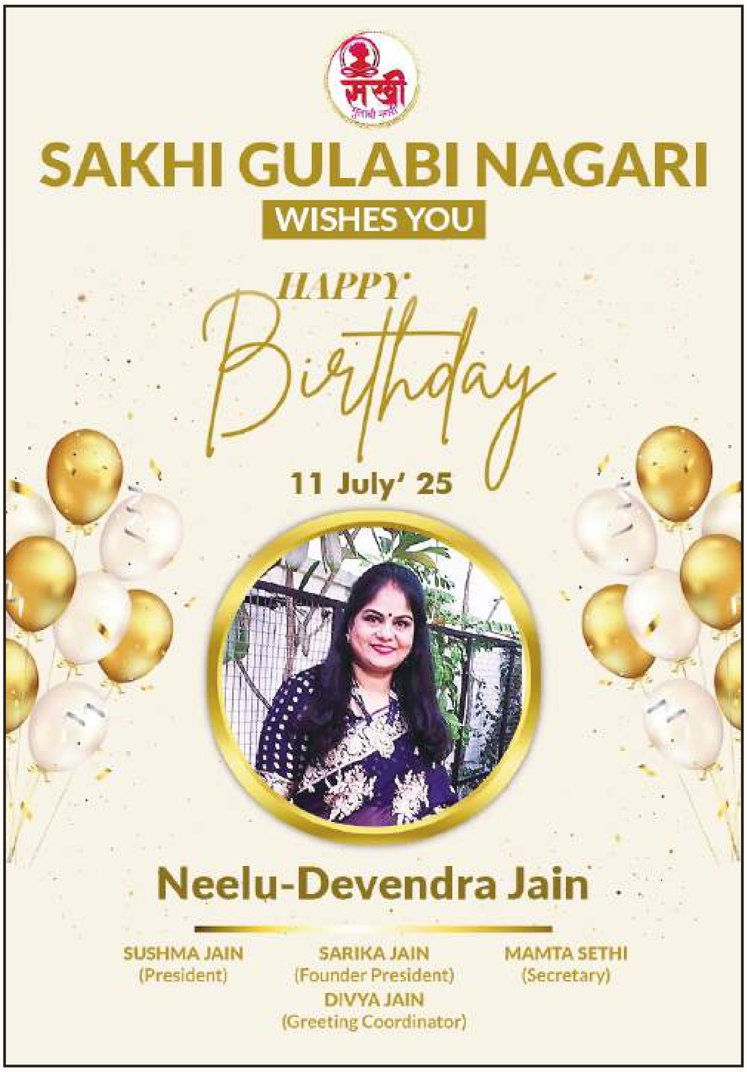

जन जन के संत मुनि पुंगव सुधा सागर जी महाराज की भव्य आगवानी हुई अशोकनगर मध्य-प्रदेश में

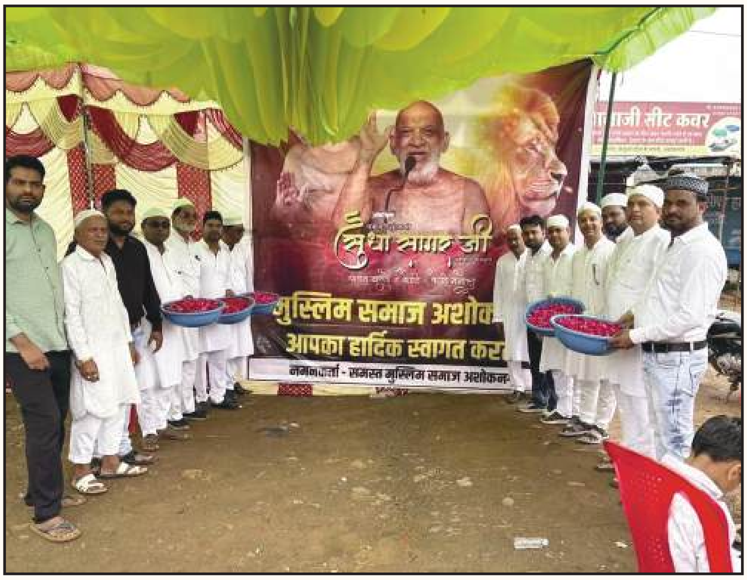

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

संत समाज व शासन प्रशासन जब साथ होता है तो संगम की यह त्रिवेणी जब संस्कृति परंपरा और संस्कारों की और अग्रसर होती है। यहां तो देश के अखण्ड भारत की परिकल्पना है जों तभी साकार होती है। जब समाजजन इसी प्रकार एकता व भाईचारे का परिचय देते हैं । यह सिंह गर्जना जिन शासन के शेर जगतपूज्य मुनिपुंगव निर्यापक श्रमण दिगंबर जैन संत श्री सुधा सागर जी ने कही । आज पूज्य महाराज जी ससंघ मध्यप्रदेश के अशोकनगर में भव्य आगवानी देखकर मन प्रफुल्लित हो गया। मध्य प्रदेश के सागर जिले के ईशुरवारा गांव में जन्मे जय कुमार जैन ने आचार्य श्री विद्यासागर जी से 1983 में मुनि दीक्षा ग्रहण की थी। पूर्व नाम क्षुल्लक व ऐलक दीक्षा में परम सागर जी था। उसके बाद मुनिपुंगव निर्यापक श्री सुधा सागर जी बने। आप की कठोर तप साधना के बल से आप ने बहुत सारे पंचकल्याणक मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्य आज भी अस्मणिय है। सबसे खास जब जयपुर के सांगानेर में भूगर्भ से दो बार यक्ष रक्षित रत्नमयी चैत्यालय निकलकर जैन समाज को चमत्कृत किया। तभी से आप की पहचान जिन शासन के शेर के रूप में पहचानी जाने लगी। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक के रुप में भक्त उन्हें राम के सबसे बड़े भक्त हनुमान के रूप में जानने लगे। आज मध्यप्रदेश के अशोकनगर में सुभाष गंज जैन मंदिर प्रांगण में मंगल आगवानी पर आज गुरूवार के दिन गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर धर्मसभा में परम पूज्य मुनि श्री सुधा सागर महाराज जी ने कहा कि श्रवण संस्कृति व भारत की पवित्र और मंगलमयी संस्कृति विचारों का केन्द्र नहीं आचार का केंद्र है। धर्म विचारों के साथ श्रवण संस्कृति को महत्वपूर्ण स्थान देता है। आचार का माहौल या आचरण के इस श्रवण संस्कृति में इस मंगल बेला भारत अब संस्कारो का रसपान कर रहा है। प्रथम दर्शन शगुन बहुत बड़ा होता है तभी तो आज हजारों जन समुदाय व भक्तों की इस भीड़ में शासन प्रशासन के अधिकारी भी नंगे पैर चल रहें थे। यह बहुत बड़ी बात है दिगंबर जैन समाज के लिए। दिगंबर जैन संत के दर्शन का शगुन कभी भी फेल नहीं होता, यह अच्छा शुभ अवसर है अशोक नगर के लिए। क्योंकि जगत कल्याण के भाव से प्रसार प्रचार करने को यह चातुर्मास में देखने को मिलेगा। आज गुरूवार व गुरु पूर्णिमा के शुभ दिन मंगल आगवानी यह भी तो शुभ संकेत है। आज तक ललितपुर की आगवानी सबसे ज्यादा प्रसिद्ध थी पर आज अशोक नगर ने ठक्कर देकर अव्वल आ गये है। जो भी किया गया वह बहुत ही बढ़िया है जब देवता भी मुस्कराहट बिखरा रहे हैं। आज यहां का वातावरण उत्साह व उमंगता के रूप में प्रवेश के समय हर एक घर के बहार कोई भी समाज के हो उन्होंने अपने अपने घरों के बहार झाड़ू लगाई कहने लगे की गुरुदेव आने वाले हैं। इतनी सकारात्मक सोच जब सिख धर्म मुसलमान व अन्य हिन्दु धर्म के अनुयायियों ने भी बड चढ़ कर इस नगर आगवानी में हिस्सा लिया। बिना किसी विकल्प के सब कार्य पूर्ण हो गये। इस नगर आगवानी में 33 जेसीबी मशीनों से पुष्प वर्षा व चांदी की 121 थालियों से पाद प्रक्षालन हुआ। ऐसे पूज्यनीय गुरु के दर्शन से सभी धन्य हुए।

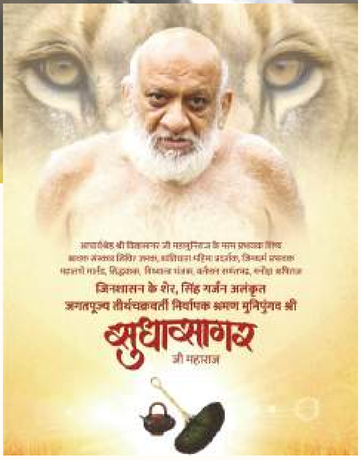
जिनशासन के शेर, सिंह गर्जन अलंकृत
जगतपूज्य तीर्थचक्रवर्ती निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री
सुधासागर
जी महाराज

प्रेषक- संकलनकर्ता व स्वतंत्र लेखक
हरिहर सिंह चौहान नसियां जी इन्दौर

सीआईएसएफ द्वारा थर्मल परिसर में किया गया वृक्षारोपण

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन परिसर में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (उक्त्रऋ) द्वारा गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में थर्मल की मुख्य अभियंता श्रीमती संगीता शृंगी, उप कमांडेंट रामसुख, सीआईएसएफ एवं प्रबंधन के कई वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर नीम, नींबू, जामुन, करंज आदि विभिन्न प्रजातियों के कुल 500 पौधे लगाए गए वृक्षारोपण कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण तथा हरित परिसर को बढ़ावा देना था। मुख्य अभियंता श्रीमती संगीता शृंगी ने सीआईएसएफ द्वारा की गई इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह कदम प्रकृति के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी को दशार्ता है उन्होंने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनके संरक्षण हेतु जागरूक रहने का आह्वान किया। यह वृक्षारोपण अभियान सीआईएसएफ के प्रकृति प्रेम एवं सामाजिक दायित्व के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

गुरु पूर्णिमा पर दुर्गापुरा जैन मंदिर में हुआ समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी दुगार्पुरा जयपुर में श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर परम पूज्य आचार्य श्री 108 देशभूषण जी मुनिराज की, सन्त शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की भक्ति भाव से गणिनी आर्यिका श्री 105 सरस्वती माताजी ससंघ के मुखारबिंद से पंडित संजय , दीपक एवं संगीतकार नवीन जैन की मधुर आवाज में पूजा की।ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड एवम् मंत्रो राजेन्द्र काला ने बताया कि ट्रस्ट , महिला मण्डल, त्रिशला संभाग दुगार्पुरा ने एवं सिद्ध चक्र महामंडल विधान पूजा के पुण्यार्जक परिवार अनिल शोभी पाटनी परिवार के साथ सभी पूजार्थियों ने संगीत की मधुर स्वर लहरियों में गणिनी आर्यिका रत्न श्री 105 सरस्वती माताजी की भक्ति भाव से आराधना की गुरु पूर्णिमा पर आराधना में सुनील संगही, विमल गंगवाल, महावीर बाकलीवाल, महावीर चांदवाड़, रमेश छाबड़ा, कैलाश सौगानी, विमल बड़जात्या, चंदा सेठी, रेखा पाटनी, रेणु पांड्या ने अर्घ्य समर्पित किये।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव ऐलनाबाद में हर्षोल्लास से सम्पन्न

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

गुरु पूर्णिमा महोत्सव

ऐलनाबाद। पतंजलि योग परिवार ऐलनाबाद, द्वारा सनातन धर्मशाला में गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर निरंतर चल रही मस्त आदर्श निःशुल्क योग कक्षा में पतंजलि सोशल मीडिया हरियाणा सह-राज्य प्रभारी एवं मुख्य योग शिक्षक हेमराज सपरा जी ने ओउम्, गायत्री मंत्र व प्रार्थना के साथ योग व प्राणायाम सत्र का संचालन किया और सभी साधकों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं।

गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय।
बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय।।

गुरु की महिमा का स्मरण करते हुए यह पर्व सभी के लिए आत्मिक उन्नति और मार्गदर्शन का प्रतीक बना। योग कक्षा में आज मीडिया प्रभारी नवशेर सिंह जी ने मंत्रोच्चारण के साथ हवन-यज्ञ संपन्न करवाया, जिसमें सभी साधकों ने आहुतियाँ अर्पित कर देश की समृद्धि, स्वास्थ्य और शांति की कामना की। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे समाजसेवी हनुमान प्रसाद अग्रवाल ने मुख्य योग शिक्षक हेमराज सपरा को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। महिला साधिकाओं ने शिक्षिका सरोज सपरा को पगड़ी पहनाकर श्रद्धा अर्पित की। योग साधकों ने मुख्य योग शिक्षक हेमराज सपरा को सप्रेम भेंट देकर सम्मानित किया सहयोगी हुक्म सिंह ने गुरु भजन प्रस्तुत कर महोत्सव को संगीतमय बना दिया। इस पावन अवसर पर प्रमुख उपस्थितजनः राज गोपाल बेनीवाल, श्याम लाल जिंदल, दीपक जिंदल, जसविंदर सिंह नामधारी, महेश मित्तल, सुभाष तलवाड़िया, निरंजन गीदड़ा, नरेश कुमार तनेजा, संजय कुमार, हुक्म सिंह, विजय कुमार गर्ग, वेद प्रकाश सचदेवा, दुर्गा प्रसाद, नरेंद्र सपरा, सुभाष चंद्र, सोरभ बत्रा, सुखदीप, कृष्ण कुमार सपरा, गोविंद बागड़ी, विक्रम कंबोज, महिला तहसील प्रभारी गीता बेनीवाल, मीनाक्षी कानसरिया, मोनिका गर्ग, कान्ता देवी, ज्ञानवती, नेहा कानसरिया, सीमा तनेजा, स्वीटी, मनजीत कौर, सन्तों देवी, सुनीता निठराणा, सुमन गोयल, रेनू मित्तल, शारदा बंसल, ममता सपरा, निशा अरोड़ा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आए सभी साधकों को हलवे का प्रसाद वितरित कर मुंह मीठा कराया गया।

गुरू पुर्णिमा पर सिद्ध चक्र विधान मंडल का आयोजन

श्री 1008 सिद्ध चक्र मंडल विधान
श्री महापूत जिनालय, अजमेर

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। सरावगी मोहल्ला स्थित प्राचीन जैन मंदिर महापूत जिनालय मे अष्टानिका पर्व के अवसर पर आठ दिन तक सिद्ध चक्र विधान का आयोजन किया गया। श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि विधान के सहयोगकर्ता चन्द्रकला, प्रदीप प्रियंका सेठी रहे मंत्रो का उच्चारण समिति की संरक्षक श्रीमती निर्मला पांड्या ने किया अर्घ समर्पण पंडित विशाल भैया ने करवाए, 30 से अधिक जैन धर्मावलंबी महिलाओं ने आठ दिन तक विधान किया। इस अवसर पर श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की सदस्याओ ने आयोजन कर्ता का माल्यार्पण कर सम्मान किया इस अवसर पर समीति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी, मंत्री सुषमा पाटनी, कोषाध्यक्ष रेणु पाटनी प्रचार प्रसार मंत्री शशि बज सर्वोदय ईकाई अध्यक्ष अनामिका सुरलाया अनिता पाटोदी व सरावगी मोहल्ला की सदस्याएं उपस्थित रही।

गुरुपूर्णिमा पर बद्रीनाथ धाम में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

पूज्य गुरुदेव ने सुनाई गुरु कृपा की कथा, हरिद्वार से आए आचार्य ने करवाया यज्ञ; देशभर से जुटे श्रद्धालु

उदयपुर. शाबाश इंडिया

चित्तौड़गढ़-कोटा मार्ग स्थित सिद्ध शक्तिपीठ माँ कामाख्या बद्रीनाथ धाम में गुरुवार को गुरुपूर्णिमा महोत्सव अत्यंत धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। मंदिर समिति के सचिव राहुल शर्मा ने बताया कि देशभर से हजारों श्रद्धालु इस पावन अवसर पर धाम पहुंचे और मेवाड़ धर्म प्रमुख पूज्य श्री श्री रोहित गोपाल सूत जी महाराज के चरण पखारकर आशीर्वाद प्राप्त किया। हरिद्वार से पधारे आचार्य आकाश जुयाल ने वैदिक विधि से पूजा और यज्ञ करवाया। इस मौके पर गुरुदेव श्री सूत जी महाराज ने व्यास पीठ पर विराजमान होकर भक्तों को गुरु महिमा का महत्व समझाया। उन्होंने देवर्षि नारद और भगवान विष्णु की कथा के माध्यम से बताया कि बिना गुरु के स्वयं भगवान भी गति नहीं पा सकते। कथा के अनुसार नारद जी को भगवान विष्णु द्वारा निगुरा कहे जाने पर उन्होंने एक मछुआरे को गुरु स्वीकार किया, लेकिन संशय करने पर उन्हें श्राप मिला कि वे 84 लाख योनियों में भटकेंगे। जब नारद जी ने क्षमा मांगी, तो भगवान ने उन्हीं के गुरु से उपाय पूछने को कहा। गुरु कृपा से नारद जी को मुक्ति मिली। गुरु भक्ति से ओतप्रोत इस आयोजन में भक्त गया तेरी शरण में आके मैं धन्य हो गया जैसे भजनों पर झूम उठे। भक्तों का विश्वास है कि यहां विधिपूर्वक की गई पूजा सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करती है। इस दौरान राजस्थान अध्यक्ष रतन सोमानी, दिल्ली अध्यक्ष अशोक जिंदल, आयोजन समिति अध्यक्ष हरिओम गोयल, वेद प्रकाश गर्ग, युधिष्ठिर राणा, तारा देवी जरवाल, सुनीता देवी कुलवाल, ब्रज किशोर स्वदेशी, राहुल मनराल, देवेंद्र नागर व प्रहलाद थेपड़िया भी उपस्थित रहे।

श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मुनिसंघ मुनि अनुपम सागर एवं मुनि निर्मोह सागर के सानिध्य में मनाया गुरू पूर्णिमा महोत्सव

सत्यार्थ
अनुपम वाणी

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विराजित मुनि अनुपम सागर व मुनि निर्मोह सागर के सानिध्य में संयम भवन में गुरू पूर्णिमा का महोत्सव हजारों श्रद्धालुओं के द्वारा श्रद्धा भाव के साथ भक्तों ने श्रीफल व अर्घ चढ़ाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि सर्वप्रथम प्रातः मंदिरजी में अभिषेक, शांतिधारा व पूजा अर्चना की गई। धर्मसभा के प्रारंभ में सर्वप्रथम दीप प्रज्ज्वलन श्री महावीर दिगम्बर सेवा समिति एवं सकल दिगम्बर जैन समाज के श्रेष्ठीगणों द्वारा किया गया एवं मंगलाचरण भजक गायक द्वारा किया गया। मुनियों का पाद प्रक्षालन का सौभाग्य रतनलाल मनोज कोठारी परिवार व भागचन्द सुरेशचन्द्र जैन केकड़ी वालों, जिनवाणी भेंट मनोहर देवी विनोद रेखा कमलेश सीए सोमेश सुधा वत्सल हितवीं ठग परिवार को प्राप्त हुआ। गुरू की पूजा और उनके आदर के लिए समर्पित किया गया जो ज्ञान और आत्मज्ञान के मार्ग पर मानव को मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। भक्तों ने मुनियों (गुरूओं) बड़े ही हर्षोल्लास व भक्तिभाव के साथ गुरू पूर्णिमा पर्व मनाया एवं गुरू मुनियों को श्रीफल एवं अर्घ चढ़ाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुनि अनुपम सागर एवं मुनि निर्मोह सागर द्वारा धर्मसभा में बताया कि प्रथम गुरू - मां जिसने जन्म दिया, द्वितीय गुरू - धरती मां जिस पर पले-बढ़े, तृतीय गुरू - पिता जिनकी उंगली थामी, चतुर्थ गुरू - शिक्षक जिनसे ज्ञान मिला, पंचम गुरू आध्यात्मिक गुरू जिनसे जीवन सार्थक हुआ। साथ ही बताया कि जो वीतरागी और हितोपदेशी होता है उसे जिनधर्म में सच्चा गुरू कहा गया है। संसार में लौकिक गुरू का स्थान हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण होता है। हमें हमेशा उनका आदर व सम्मान करना चाहिए। गुरू सही मार्गदर्शक होते है जो सही मार्ग पर चलने का ज्ञान देते है। गुरू नैतिक मूल्यों और सिद्धांतों को सिखाते है, जो एक बेहतर इंसान बनने के लिए आवश्यक है। गुरू हमारे प्रेरणा स्त्रोत होते है। चातुर्मास की मांगलिक क्रियाओं के साथ चातुर्मास की घोषणा मुनिसंघ द्वारा की गई। धर्मसभा का संचालन पं. आशुतोष जैन एवं पद्मचन्द काला ने किया। मीडिया प्रभारी भागचन्द पाटनी ने बताया कि दिनांक 13.07.2025 रविवार को मंगल कलश स्थापना समारोह सूर्यमहल शास्त्रीनगर में दोपहर 1.15 बजे से प्रारंभ हो जायेगा। मुनिसंघ सुपार्श्वनाथ मंदिर से विहार करके दोपहर 12.30 बजे सूर्यमहल पहुंचेगें। चातुर्मास के लिए ध्वजारोहण त्रिलोकचन्द सौरभ छाबड़ा एवं प्रभावना सहयोगकर्ता पुर्ण्याजक मनोहर देवी विनोद रेखा कमलेश सीए सोमेश सुधा वत्सल हितवीं ठग परिवार को प्राप्त हुआ।

भागचन्द पाटनी: मीडिया प्रभारी मो. 98295 41515

चित्रकूट कॉलोनी में गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया

गुरु महिमा से सारे अशुभों का नाश, दूर-दूर से आए भक्तों ने की गुरु पूजा

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर थाना सर्किल स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर चित्रकूट कॉलोनी में गुरुवार को तपस्वी सम्राट आचार्य सुंदर सागर महाराज के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर बडी संख्या में गुरु भक्तों ने उपस्थित होकर गुरु के प्रति श्रद्धा सुमन प्रस्तुत किये। मंदिर समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार जैन काशीपुरा एवं मंत्री मूलचंद पाटनी ने बताया कि कंवर का बाग स्थित श्री सन्मति सागर सभागार में आचार्य सुंदर सागर महाराज ससंघ का गुरु पूजन कार्यक्रम हुआ जिसमें संपूर्ण प्रदेश एवं देश के कोने-कोने से आचार्य श्री के अनुयायी एवं जैन धर्मावलंबी शामिल हुए। मुख्य संयोजक कैलाश चंद सौगानी व दीपक बोहरा ने बताया कि आचार्य श्री की संगीतमय साज बाज से पूजन कर अर्घ्य अर्पित किए गए तथा श्रावकों द्वारा पाद प्रक्षालन किया गया एवं जिनवाणी भेंट की गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से नायब तहसीलदार सांगानेर ने गुरु चरणों में भक्ति समर्पित की। इसके बाद पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी ने आचार्य सुंदर सागर महाराज का आशीर्वाद लिया। महिला मंडल अध्यक्ष बबीता सोगानी व नवयुवक मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र सोगानी के सानिध्य में समारोह में संगीत के साथ सामूहिक रूप से अर्घ्य अर्पित किए गए। समिति सदस्य राहुल सिंघल ने बताया कि आचार्य श्री के सानिध्य में राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में 11 जुलाई को प्रातः वीर शासन जयन्ती मनाई जाएगी। एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन ने बताया कि प्रतिदिन चित्रकूट कॉलोनी मंदिर में प्रातः 8 बजे से प्रवचन होंगे एवं सायंकाल आगम युक्त शंका समाधान का कार्यक्रम होगा ।

गुरु अमृत की खान

आचार्य श्री ने प्रवचन करते हुए कहा कि गुरु अमृत की खान होते है यदि कोई गुरु की सच्चे समर्पण के साथ गुरु भक्ति करता है तो उसे अमृत के समान फल प्राप्त होता है उन्होंने कहा कि गुरु बिना जीवन शुरू नहीं होता है। आचार्य श्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें अपनी संस्कृति व संस्कारों से जुड़े रहना चाहिए । उन्हें जीवन में आगे बढ़ना है प्रगति करना है जीवन में गुरु सानिध्य अवश्य रखना चाहिए ।

वीर शासन जयन्ती आज शुक्रवार को

जैन मंदिरों में भगवान महावीर के उपदेशों पर होगें विशेष प्रवचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन धर्मावलम्बी शुक्रवार, 11 जुलाई को भगवान महावीर का प्रथम देशना दिवस 'वीर शासन जयन्ती पर्व' मनायेगे ।इस मौके पर मुख्य आयोजन राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में चित्रकूट कॉलोनी में होगा। शहर में अन्य चातुर्मास स्थलों एवं मंदिरों में विशेष आयोजन होगें। राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार वीर शासन जयन्ती पर्व के उपलक्ष्य में शहर के विभिन्न जैन मंदिरों में संगोष्ठिया होगी। साधु संतों द्वारा भगवान महावीर के उपदेशों पर विशेष प्रवचन दिया जायेगा। जैन के मुताबिक जैन धर्म के 24 वे तीर्थंकर भगवान महावीर को वैशाख शुक्ला दशमी को केवल ज्ञान प्राप्त हुआ था लेकिन उस समय ज्ञान ग्रहण करने वाला कोई उचित श्रोता या शिष्य पात्र नहीं होने के कारण जैन धर्म के अन्य 23 तीर्थंकरों की भांति उस दिन भगवान महावीर की वाणी नहीं खिरी अर्थात उस दिन भगवान महावीर ने कोई उपदेश नहीं दिया। 65 दिवस पश्चात श्रावण कृष्णा एकम् को राजगिरी में भगवान महावीर का समोवशरण लगा तो उसमें उपदेश को ग्रहण करने वाले उचित पात्र (श्रोता/शिष्य) गौतम गणधर उपस्थित थे। गौतम गणधर को भगवान महावीर ने अपने ज्ञान से पहचान लिया एवं उसी समय भगवान की वाणी खिर गई अर्थात उन्होंने उपदेश देना प्रारंभ कर दिया। इसीलिए यह दिन भगवान महावीर के उपदेशों के महत्व को दशार्ता है। इसी दिन से वीर शासन जयन्ती मनाना शुरू हो गया। जैन धर्मावलंबियों द्वारा हर साल श्रावण कृष्णा प्रतिपदा (एकम्) को यह पर्व पूरे देश में भक्ति भाव से मनाया जाता है। जैन के मुताबिक भगवान महावीर के अहिंसा, ब्रह्मचर्य, सत्य, अपरिग्रह, स्यादवाद्, अनेकान्तवाद इत्यादि सिद्धांत आज भी पूरे विश्व के लिए अनुकरणीय है। इस दिन संगोष्ठिया, विशेष प्रवचन इत्यादि के आयोजन किये जाते हैं।

राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में चित्रकूट कालोनी में होगा मुख्य आयोजन

राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद के मुताबिक जयपुर में वीर शासन जयन्ती समारोह का मुख्य आयोजन राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में चित्रकूट कालोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में प्रातः 8.00 बजे से होगा । आयोजन के लिए चेतन जैन निमोडिया एवं मनीष सोगानी को संयोजक बनाया गया है। इस मौके पर मंगलाचरण, चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन, पाद पक्षालन, जिनवाणी भेट के बाद विद्वत जनो के उदबोधन होगें। अन्त में आचार्य सुन्दर सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। विनोद जैन 'कोटखावदा' के मुताबिक साधु सेवा तीर्थ पदमपुरा बाड़ा में आचार्य शशांक सागर मुनिराज ससंघ,बगरुं स्थित दहमीकला के प्राचीन ऋषभदेव दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य नवीन नन्दी महाराज, झोटवाड़ा के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में उपाध्याय वृषभानन्द मुनिराज ससंघ, मानसरोवर के वरुण पथ स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर में उपाध्याय उर्जयन्त सागर मुनिराज, कीर्तिनगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि आदित्य सागर महाराज ससंघ, महारानी फार्म के श्री दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि पावन सागर मुनिराज ससंघ, प्रतापनगर के सैक्टर 8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि अरह सागर महाराज, नाटाणियों का रास्ता स्थित पार्श्वनाथ भवन में मुनि अर्चित सागर मुनिराज, बीलवा के विमल परिसर श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका नंगमति माताजी ससंघ, सांगानेर के चौमू बाग स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आर्यिका नन्दीश्वर मति माताजी, दुगार्पुरा के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में आर्यिका सरस्वती माताजी ससंघ के सानिध्य में शुक्रवार 11 जुलाई को प्रातः वीर शासन जयन्ती के विशेष आयोजन होंगे।

विनोद जैन कोटखावदा, उपाध्यक्ष
राजस्थान जैन सभा जयपुर

गुरुपूर्णिमा महोत्सव श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, झोटवाड़ा में बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। महोत्सव परम पूज्य उपाध्याय श्री 108 वृषभानंद जी महाराज ससंघ एवं आर्यिका 105 श्री प्रशांतमति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में सम्पन्न हुआ। गुरु पूर्णिमा के कार्यक्रम में सर्वप्रथम सुबह 6 बजे से ही अभिषेक शांति धारा व अन्य कार्यक्रम हुए जिसमें से प्रमुख कार्यक्रम 64 रिद्धि विधान पूजन, गुरु पूजन, मंगलाचरण, चित्रांवरण, दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट, महाराज का गुरुपूर्णिमा के अवसर विशेष उद्बोधन एवम अन्य कार्यक्रम उपाध्याय श्री के सानिध्य में बड़े ही धाम से श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर, मानसरोवर कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर में सम्पन्न हुए।